UNIVERSITY NEWS 14 MAY 2026

AMAR UJALA

फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट में एमबीए कराएगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

इसी सत्र से होगी चार सेमेस्टर के कोर्स की शुरुआत, 60 सीटें निर्धारित

लखनऊ। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट कोर्स शुरू होगा। कुलपति ने बुधवार को इसकी घोषणा की। दो वर्षीय इस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 60 सीटें निर्धारित हैं। पाठ्यक्रम चार सेमेस्टरों में संचालित होगा और चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित होगा।

कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने बताया कि इस कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के पास बीफार्मा, बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बीएससी (केमिस्ट्री) या फिर एमएससी की डिग्री होना जरूरी है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को अर्ह उपाधि में न्यूनतम 50 प्रतिशत, जबकि एससी-एसटी अभ्यर्थियों के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रवेश पीजीईटी-एलयू परीक्षा के माध्यम से होंगे। आवेदन पत्र विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। परीक्षा जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट पर आधारित होगी।

प्रदेश में पहला ऐसा पाठ्यक्रम : वीसी ने कहा कि प्रदेश में यह अपनी तरह का पहला रोजगारोन्मुखी एमबीए फार्मा मैनेजमेंट पाठ्यक्रम है। इसमें फार्मास्यूटिकल इंटरनेशनल बिजनेस, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट, फार्मास्यूटिकल ब्रांड मैनेजमेंट व बायोमेडिकल डिवाइसेज जैसे विषय शामिल होंगे।

AMAR UJALA

लविवि : पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा के परिणाम की बुधवार को घोषणा कर दी। 16 विषयों का परिणाम घोषित किया गया है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 17 मई रखी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों का सीट अलॉटमेंट जारी किया जा रहा है। लॉगिन आईडी का प्रयोग कर 14 मई दोपहर 2 बजे से फीस जमा कर सकते हैं। प्रवेश समन्वयक ने बताया कि जिन विषयों का परिणाम घोषित किया गया है उनमें प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, बायोकेमेस्ट्री, बॉटनी, अर्थशास्त्र, भूगोल, होम साइंस, विधि, मैनेजमेंट स्टडीज, गणित, शारीरिक शिक्षा, भौतिक विज्ञान, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन, संस्कृति, सांख्यिकी, वेस्टर्न हिस्ट्री, मध्य एवं आधुनिक इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र और जूलोजी शामिल हैं। अभ्यर्थी अपना परिणाम लखनऊ विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में एआई पर हुई कार्यशाला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में बुधवार को 'एआई, नवाचार एवं विकसित भारत 2047 हेतु भविष्य कौशल' विषय पर एक कार्यशाला हुई। लविवि के प्लेसमेंट सेल और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन शोध पीठ की ओर से आयोजित कार्यशाला में एआई प्रशिक्षक मोहम्मद जरी ने कहा कि एआई मनुष्यों का विश्लेषण कर सकता है, लेकिन जो मनुष्य मनुष्यों को समझते हैं, वही एआई युग का नेतृत्व करेंगे। मोहम्मद जरी ने जेनरेटिव एआई और चैटजीपीटी जैसे आधुनिक एआई टूल्स के बारे में भी बताया। उन्होंने आरसीटीसी फ्रेमवर्क की व्याख्या करते हुए बताया कि स्पष्ट एवं संरचित प्रॉम्प्ट एआई टूल्स से अधिक सटीक परिणाम प्राप्त करने में सहायक होते हैं। प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने शिक्षा, तकनीक और उद्योग के बीच समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में एआई, नवाचार और कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इकिगाई स्कूल ऑफ एआई के निदेशक अविक गुप्ता और मुख्य व्यवसाय अधिकारी सौरव मिश्रा ने एआई आधारित कॅरिअर संभावनाओं पर जानकारी दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय में कोर्स नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किया गया

एलयू में फार्मेसी में एमबीए कर सकेंगे, 60 सीटों पर मौका

दाखिले की दौड़

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एमबीए इन फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। विवि के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में संचालित होने वाले इस दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। पाठ्यक्रम को नई शिक्षा नीति 2020 और चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुरूप तैयार किया गया है।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में यह अपनी तरह का पहला रोजगारोन्मुखी एमबीए फार्मा मैनेजमेंट कार्यक्रम होगा। इसमें फार्मास्यूटिकल इंटरनेशनल बिजनेस, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, ब्रांड मैनेजमेंट और बायोमेडिकल डिवाइसेज जैसे उद्योग आधारित विषय शामिल किए गए हैं, जिससे छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रवेश पीजीईटी-एलयू परीक्षा के माध्यम से होगा।

आवेदन प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। बीफार्मा, बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक, बायो इंजीनियरिंग, बीएससी केमिस्ट्री अथवा एमएससी की डिग्री आवश्यक होगी। सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 50 और एससी-एसटी वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अनिवार्य किए गए हैं।

विवि में पीएचडी के 16 विषयों में सीटें आवंटित

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2025-26 पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत 16 विषयों में पीएचडी प्रवेश के लिए सीट अलॉटमेंट प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की जा रही है। जिसके लिए अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी का उपयोग कर 14 मई दोपहर दो बजे से प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 17 मई निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देख सकते हैं।

एआई और भविष्य कौशल पर कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में मंगलवार को एआई, इनोवेशन एवं विकसित भारत 2047 हेतु भविष्य कौशल विषयक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। यहां प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा, तकनीक और उद्योग के बीच समन्वय बेहद जरूरी हो गया है। नई तकनीकों को इससे छात्र लगातार अपडेट होंगे।

एलयू : डॉ. कमर इकबाल बने अरेबिक विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने अरेबिक विभाग की नई जिम्मेदारी डॉ. कमर इकबाल को विभागाध्यक्ष नियुक्त कर दी है। कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, डॉ. कमर इकबाल अगले तीन वर्षों तक अथवा अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, विभागाध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने आदेश जारी किया है।

आईआईएम, सीएसआईआर के विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव के अनुसार, पाठ्यक्रम का निर्माण औषधि उद्योग, भारतीय प्रबंधन संस्थानों, सीएसआईआर-सीमैप और सीएसआईआर-सीडीआरआई के विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर किया गया है। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि फार्मेसी क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे रोजगार अवसरों को देखते हुए यह पाठ्यक्रम युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगा।

DAINIK JAGRAN

एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट की पढ़ाई अब लवि में

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2026-27 से इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट कार्यक्रम शुरू होगा। दो वर्षीय इस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में कुल 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। चार सेमेस्टरों में संचालित होने वाला क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित होगा। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि फार्मेसी क्षेत्र में बढ़ते रोजगार अवसरों को देखते हुए एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब पांच दिवसीय कार्य सप्ताह

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट और संसाधनों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अपने कार्य-प्रणाली में बड़ा परिवर्तन किया है। कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय में अब सोमवार से शुक्रवार तक 'पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह' प्रभावी होगा। उत्तर प्रदेश की राज्य यूनिवर्सिटीज में इस तरह का कदम उठाने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय पहला संस्थान बन गया है।

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब समस्त कार्यालय और कक्षाएं सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक संचालित होंगी। दोपहर 1:30 से 2:00 बजे तक आधे घंटे का भोजनावकाश रहेगा। हालांकि, पूर्व निर्धारित परीक्षाएं अपनी तय समय सारिणी के अनुसार ही संपन्न होंगी। यह निर्णय वर्तमान वैश्विक युद्ध की परिस्थितियों से उपजे ऊर्जा संकट और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से देशवासियों से किए गए 'ऊर्जा बचत' के आह्वान के मद्देनजर लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि सप्ताह में एक दिन परिसर बंद रहने से बिजली और ईंधन की भारी बचत होगी, जो राष्ट्रहित में एक बड़ा योगदान है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान वैश्विक युद्ध और ऊर्जा संकट को देखते हुए हमें संसाधनों के प्रति गंभीर होना होगा।

HINDUSTAN TIMES

LU 1ST U.P. VARSITY TO INITIATE 5-DAY WORK WEEK

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Lucknow University on Wednesday announced implementation of a five-day work week until further orders.

With this decision, Lucknow University becomes the first among Uttar Pradesh's state universities to adopt such a measure, acting on Prime Minister Narendra Modi's advisory regarding energy and fuel conservation.

The university has restructured its daily schedule to ensure academic productivity remains unaffected despite the reduced working days. According to an order issued by registrar Bhawana Mishra, classes and offices will now operate for an additional hour daily to compensate for Saturday closure.

While the new timing is effective immediately for routine administration and teaching, the university clarified that examinations will continue as per the previously released schedule.

Vice chancellor Prof JP Saini emphasised that the decision is a response to the energy challenges posed by current global conditions.

"By keeping the campus closed for two days a week, there will be significant savings in electricity, water, and transportation fuel. This is a major contribution towards national interest," Saini stated.

TIMES OF INDIA

LU staff to follow 5-day office week

Lucknow University has revised its working schedule in line with PM's appeal on energy conservation. Now, the university staff in its administrative units will have to come to office five-days a week, from Monday to Friday. On Saturdays, the office work will be done online. However, the academic schedule will remain the same because of the ongoing examinations.

HINDUSTAN

एलयू-एकेटीयू में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू

निर्णय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऊर्जा संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी के निर्देश पर अब विश्वविद्यालय में सोमवार से शुक्रवार तक ही कार्यालय और शैक्षणिक गतिविधियां संचालित होंगी।

उत्तर प्रदेश की राज्य विश्वविद्यालयों में इस व्यवस्था को अपनाने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय पहला संस्थान बन गया है। वहीं एकेटीयू में भी पांच दिन वर्किंग सिस्टम लागू कर दिया गया है।

कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय और कक्षाएं सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक संचालित होंगी। दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। हालांकि पूर्व निर्धारित परीक्षाएं अपनी निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ते ऊर्जा संकट को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन का मानना है कि सप्ताह में एक दिन परिसर बंद रहने से बिजली और ईंधन की पर्याप्त बचत होगी, जिससे संसाधनों के संरक्षण में मदद मिलेगी।

कार पुलिंग सिस्टम और शुक्रवार को नो व्हीकल डे लागू

लखनऊ। डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पेट्रोल और बिजली बचाने की दिशा में विश्वविद्यालय में पांच दिन वर्किंग सिस्टम लागू कर दिया गया है। साथ ही कार पुलिंग सिस्टम भी एकेटीयू मे लागू हो गया है। वहीं एकेटीयू कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने पेट्रोल कार को छोड़कर इलेक्ट्रिक व्हीकल से चलना शुरू कर दिया है। एकेटीयू कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय में छह दिन कार्य होता था, जिसे बदलकर अब पांच दिन कार्य कर दिया गया है। शनिवार और रविवार अवकाश रहेगा। कुलपति ने बताया कि अभी ये बदलाव सिर्फ दो महीने के लिए किया गया है। कुलपति ने बताया कि वर्तमान समय में विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षा जारी है। इसके बाद हालातों को देखते हुए ऑनलाइन कक्षाओं, ऑनलाइन मीटिंग पर निर्णय होगा।

कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए संसाधनों के प्रति गंभीर होने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा संरक्षण के आह्वान के अनुरूप विश्वविद्यालय ने यह पहल की है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि इससे कार्यक्षमता बढ़ने के साथ-साथ परिवहन और बिजली संसाधनों की भी बचत होगी।

NEXT

एलयू में अब छह नहीं पांच दिवसीय होगा कार्य सप्ताह

ऊर्जा संरक्षण की दिशा मे उठाया ऐतिहासिक कदम

LUCKNOW (13 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट और संसाधनों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अपने कार्य-प्रणाली में बड़ा परिवर्तन किया है. वीसी प्रो. जे.पी. सैनी के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय में अब सोमवार से शुक्रवार तक पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह प्रभावी होगा. उत्तर प्रदेश की राज्य यूनिवर्सिटीज में इस तरह का कदम उठाने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय पहला संस्थान बन गया है.

तय समय पर ही एग्जाम

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब समस्त कार्यालय और कक्षाएं सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक संचालित होंगी. दोपहर 1:30 से 2:00 बजे तक आधे घंटे का भोजनावकाश रहेगा. हालांकि, पूर्व निर्धारित परीक्षाएं अपनी तय समय सारिणी के अनुसार ही संपन्न होंगी.

ईंधन की बचत होगी

यह निर्णय वर्तमान वैश्विक युद्ध की परिस्थितियों से उपजे ऊर्जा संकट और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से देशवासियों से किए गए 'ऊर्जा बचत' के आह्वान के मद्देनजर लिया गया है. विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि सप्ताह में एक दिन परिसर बंद रहने से बिजली और ईंधन की भारी बचत होगी, जो राष्ट्रहित में एक बड़ा योगदान है. वीसी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक युद्ध और ऊर्जा संकट को देखते हुए हमें संसाधनों के प्रति गंभीर होना होगा. प्रधानमंत्री के ऊर्जा संरक्षण के आह्वान पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने यह पहल की है.

BREAKING NEWS
सिटी की ब्रेकिंग न्यूज से रहें अब रियल टाइम अपडेट
जुड़िए हमारे व्हाट्सएप चैनल से
Scan करें यह QR Code और Follow करें हमारा चैनल.

एकेटीयू में शुक्रवार को नो व्हीकल डे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गई अपील के तहत डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में पेट्रोल और डीजल बचाने की दिशा में प्रमुख पहल की गई है. अब विश्वविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक कार्य प्रणाली लागू होगी. वहीं, शुक्रवार को नो व्हीकल डे रहेगा. बुधवार को कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडेय परिसर में ई-व्हीकल से पहुंचे. उन्होंने बताया कि ईंधन और बिजली बचाने की दिशा में कई निर्णय लिए गए हैं. अब परिसर में सप्ताह में पांच दिन कार्य होंगे. शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा. हर शुक्रवार को नो व्हीकल डे रहेगा. इस दिन सभी अधिकारी व कर्मचारी सार्वजनिक वाहन से आएंगे. कोई भी गाड़ी कैंपस में प्रवेश नहीं करेगी.

NBT

एलयू में अब 5 DAY वीक

- ऊर्जा बचाने के लिए पीएम की अपील पर LU प्रशासन का फैसला
- सुबह 9 से शाम 6 बजे तक खुलेंगे दफ्तर और कक्षाएं
- परीक्षाओं के पहले से तय शेड्यूल पर नही पड़ेगा कोई असर

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** प्रधानमंत्री की ऊर्जा बचत की अपील पर अमल करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) ने अपनी कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी के निर्देश पर एलयू में अब 'फाइव डे वीक' लागू कर दिया गया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने बुधवार को इसके आधिकारिक आदेश जारी कर दिए। यह नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से (अग्रिम आदेशों तक) लागू कर दी गई है। अब विश्वविद्यालय के कार्यालय सप्ताह में केवल 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) ही खुलेंगे।

एलयू में नई व्यवस्था

- सभी कार्यालय और कक्षाएं अब सुबह: 09:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक
- कर्मचारियों और छात्रों के लिए लंच ब्रेक: दोपहर 01:30 बजे से 02:00 बजे तक

क्यों पड़ी जरूरत

पहले समय की कोई बाउंडेशन नही थी, जिससे कार्यालय रात 8 से 10 बजे तक भी खुले रहते थे। नई समय-सारिणी से अतिरिक्त ऊर्जा की बचत होगी।

परीक्षाएं रहेंगी अप्रभावित

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बदलाव का असर परीक्षाओं पर नही पड़ेगा। परीक्षाएं निर्धारित समय सारिणी और पालियों के अनुसार ही चलती रहेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद विवि ने यह निर्णय लिया है ताकि ऊर्जा की बचत कर देश हित में योगदान दिया जा सके।
– प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, एलयू

NEXT

एलयू से करें एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट

LUCKNOW (13 MAY): लखनऊ यूनिवर्सिटी में सेशन 2026-27 से इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट कार्यक्रम शुरू होगा. दो वर्षीय इस यूजी कोर्स में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं. चार सेमेस्टरों में संचालित होने वाला क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित होगा.

ये योग्यता होनी चाहिए

प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि इस कोर्स में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों के पास बीफार्मा, बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलाजी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बीएससी (केमिस्ट्री) अथवा एमएससी की डिग्री होना जरूरी है. सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को अर्ह उपाधि में न्यूनतम 50 प्रतिशत मार्क्स होने चाहिए. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम मार्क्स 45 प्रतिशत निर्धारित किए गए हैं. एडमिशन एलयू की प्रवेश परीक्षा से होंगे. वीसी प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि फार्मेसी क्षेत्र में बढ़ते रोजगार अवसरों को देखते हुए एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट कोर्स युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा.

AMAR UJALA

डॉ. कमर बने अरेबिक विभाग के अध्यक्ष

लखनऊ। लविवि के अरेबिक विभाग में अध्यक्ष पद का दायित्व डॉ. कमर इकबाल को सौंपा गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने बताया कि कुलपति की ओर से 13 मई से तीन वर्ष की अवधि या अधिवर्षता आयु होने तक डॉ. कमर विभागाध्यक्ष के पद पर आसीन रहेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)